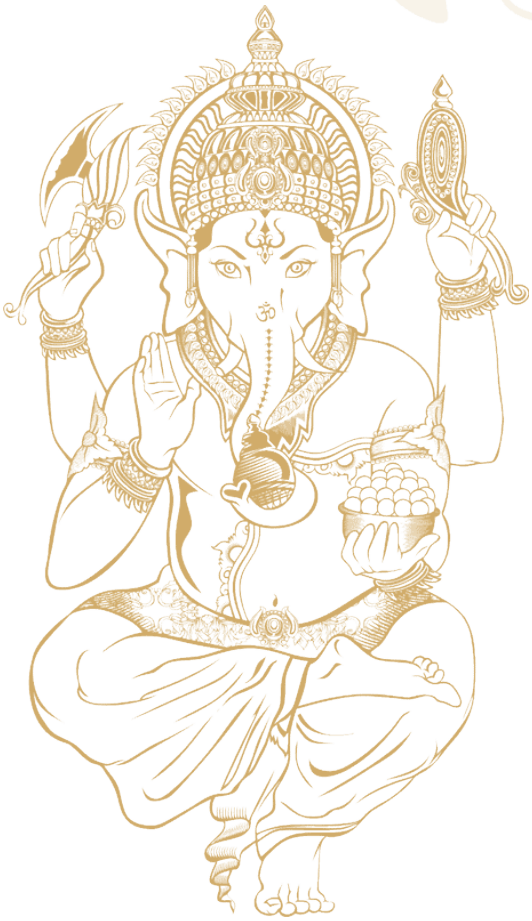

Piyush Ranjana

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120167401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120167401 Date: 16/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30-01/10/1997	जन्म तिथि	18/01/2001
मंगल-बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 04:30:00	जन्म समय	07:30:00 घंटे
घटी 55:41:00	जन्म समय(घटी)	00:37:55 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:13:36	सूर्योदय	07:14:50
18:07:08	सूर्यास्त	17:48:35
23:49:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:02
सिंह	लग्न	मकर
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कन्या	राशि	तुला
बुध	राशि-स्वामी	शुक्र
उ०फाल्गुनी	नक्षत्र	विशाखा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	गुरु
3	चरण	1
शुक्ल	योग	शूल
चतुष्पाद	करण	वणिज
पा-पवन	जन्म नामाक्षर	ती-तीप्ति
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
वैश्य	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
गौ	योनि	व्याघ्र
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	सर्प

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र
पं गोकुल चंद शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 1वर्ष 10मा 2दि		20:17:37	सिंह	लग्न	मक	07:15:41	गुरु 12वर्ष 7मा 30दि	
राहु		13:59:11	कन्या	सूर्य	मक	04:10:11	शनि	
03/08/2016		05:54:44	कन्या	चंद्र	तुला	22:46:40	18/09/2013	
03/08/2034		07:35:34	वृश्चि	मंगल	तुला	20:55:29	18/09/2032	
राहु	16/04/2019	03:52:56	कन्या	बुध	मक	18:33:57	शनि	21/09/2016
गुरु	09/09/2021	18:21:19	मक व	गुरु व	वृष	07:24:42	बुध	01/06/2019
शनि	16/07/2024	27:51:09	तुला	शुक्र	कुंभ	21:15:38	केतु	10/07/2020
बुध	02/02/2027	23:48:24	मीन व	शनि व	वृष	00:14:15	शुक्र	10/09/2023
केतु	20/02/2028	25:57:11	सिंह व	राहु	मिथु	21:36:21	सूर्य	22/08/2024
शुक्र	20/02/2031	25:57:11	कुंभ व	केतु	धनु	21:36:21	चन्द्र	23/03/2026
सूर्य	15/01/2032	10:59:15	मक व	हर्ष	मक	25:40:17	मंगल	02/05/2027
चन्द्र	16/07/2033	03:22:27	मक व	नेप	मक	12:05:09	राहु	08/03/2030
मंगल	03/08/2034	09:38:45	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	20:27:52	गुरु	18/09/2032

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:28 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:02

लग्न-चलित

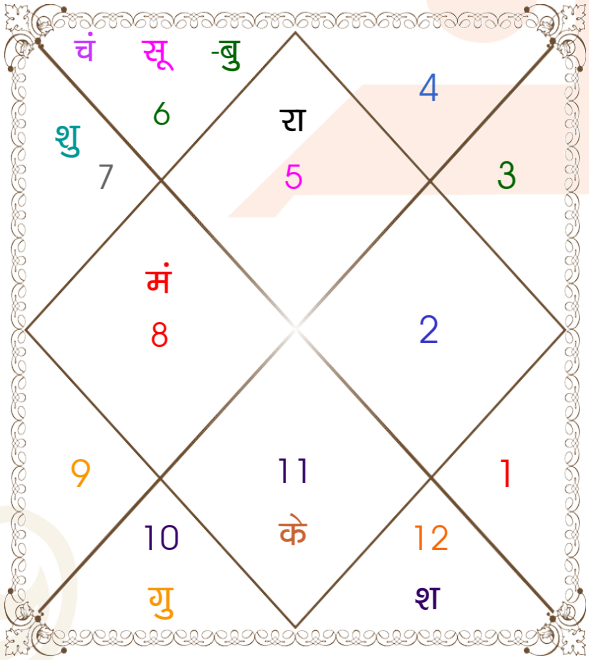

लग्न-चलित

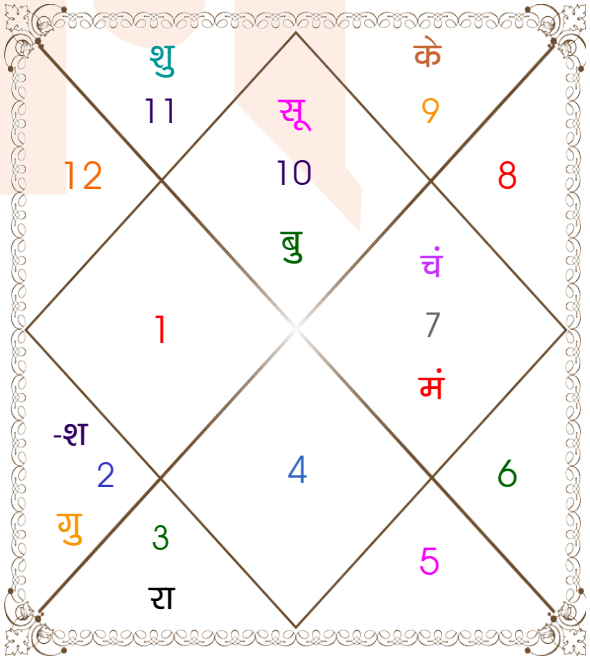

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र
पं गोकुल चंद शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	व्याघ्र	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

कुल : **17.5 / 36**

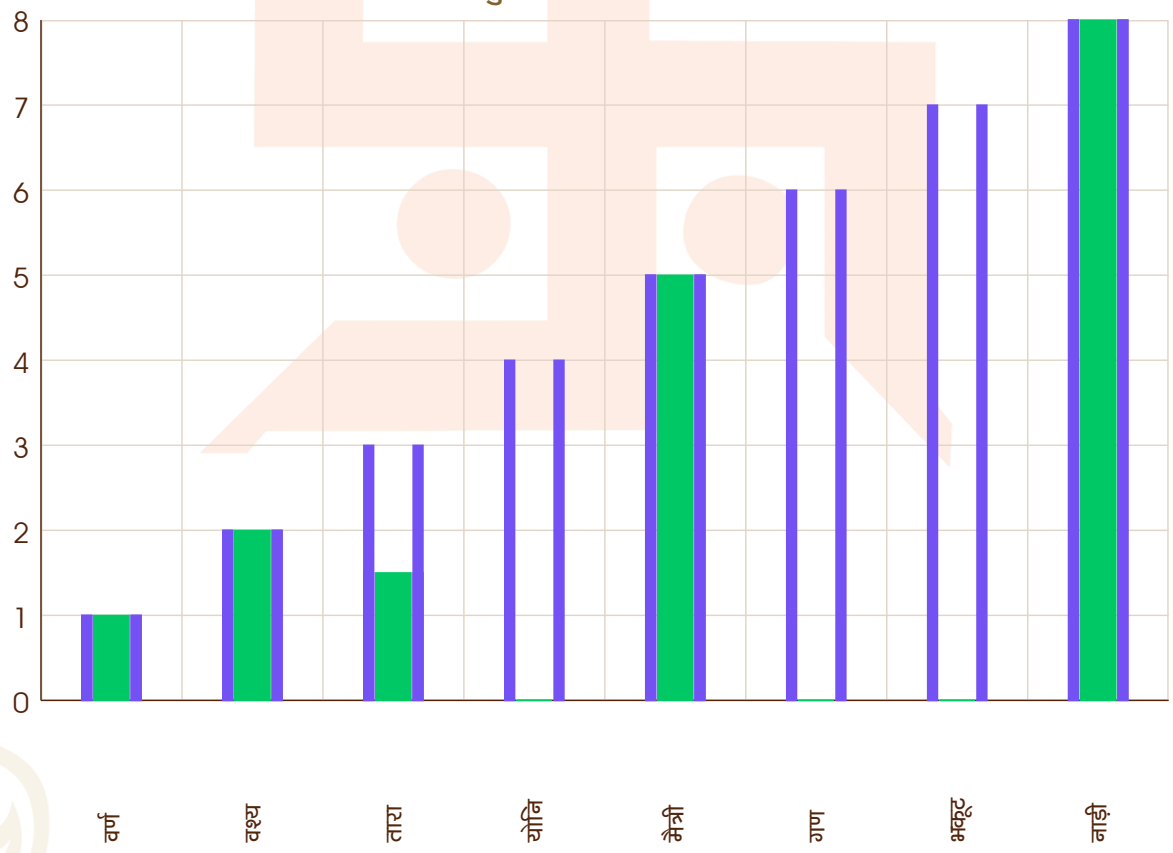

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र
पं गोकुल चंद शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Piyush का वर्ग मूषक है तथा त्ंदरंदं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Piyush और त्ंदरंदं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Piyush मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Piyush कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ध्;डडम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Piyush कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्ंदरंदं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु त्ंदरंदं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Piyush तथा त्ंदरंदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Piyush का वर्ण वैश्य है तथा त्ंदरंदं का वर्ण शूद्र है। इसमें त्ंदरंदं का वर्ण Piyush के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप त्ंदरंदं अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए त्ंदरंदं हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Piyush का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं त्ंदरंदं का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Piyush एवं त्ंदरंदं दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Piyush की तारा साधक तथा त्ंदरंदं की तारा प्रत्यरि है। त्ंदरंदं की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Piyush एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। त्ंदरंदं का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही त्ंदरंदं के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Piyush अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Piyush की योनि गौ है तथा त्ंदरंदं की योनि व्याघ्र है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये

रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Piyush एवं त्दरंदं दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Piyush एवं त्दरंदं के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Piyush एवं त्दरंदं जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Piyush का गण मनुष्य तथा त्दरंदं का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः त्दरंदं का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Piyush एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Piyush से त्दरंदं की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा त्दरंदं से Piyush की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Piyush गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। त्दरंदं समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Piyush शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Piyush की नाड़ी आद्य है तथा त्दरंदं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Piyush की आद्य नाड़ी तथा त्दरंदं की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Piyush की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा त्ंदरंदं की राशि वायुतत्व युक्त तुला राशि है। पृथ्वी तथा वायु तत्व में विषमता होने के कारण Piyush और त्ंदरंदं के मध्य यदा कदा अनावश्यक मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु सामंजस्य की प्रवृति होने के कारण इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः मिलान सामान्य से अच्छा रहेगा।

Piyush की राशि का स्वामी बुध तथा त्ंदरंदं की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र भावों में पड़ते है। अतः इसके शुभ प्रभाव से Piyush और त्ंदरंदं का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा तथा परस्पर संबधों में भी मधुरता रहेगी। एक दूसरे के गुणों की ये प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की भांति कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही परस्पर प्रेम सहानुभूति सहयोग तथा समर्पण की भावना विद्यमान होगी तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

Piyush एवं त्ंदरंदं की जन्म राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा Piyush और त्ंदरंदं के मध्य परस्पर विवाद एवं मतभेद उत्पन्न होंगे तथा आर्थिक स्थिति में भी विषमता रहेगी जिससे संबधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा परन्तु यदि ये धैर्य एवं सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो इन्का जीवन सुख पूर्वक व्यतीत हो सकता है।

Piyush एवं त्ंदरंदं दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान होंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Piyush का वर्ण वैश्य तथा त्ंदरंदं का वर्ण शूद्र है। अतः Piyush की प्रवृति धनार्जन सम्बन्धी कार्यों में रहेगी परन्तु त्ंदरंदं किसी पूर्व चुनाव के परिश्रम एवं ईमानदारी से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी। अतः कार्य क्षेत्र में स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

Piyush और त्ंदरंदं की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया Piyush और त्ंदरंदं समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से त्ंदरंदं की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही Piyush भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए Piyush और त्ंदरंदं

को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Piyush की नाड़ी आद्य तथा त्ंदरंदं की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं रहेगा जिससे किसी गंभीर समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा परन्तु मंगल का त्ंदरंदं के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होगा जिससे उनको गर्भपात संबंधी परेशानी की संभावना होगी तथा धातु संबंधी रोगों से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही मासिक धर्म संबंधी परेशानी का भी यदा कदा सामना करना पड़ेगा। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए त्ंदरंदं को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Piyush और त्ंदरंदं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Piyush और त्ंदरंदं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में त्ंदरंदं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन त्ंदरंदं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में त्ंदरंदं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Piyush और त्ंदरंदं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Piyush और त्ंदरंदं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

त्ंदरंदं के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि त्ंदरंदं धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से त्ंदरंदं के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी त्ंदरंदं का व्यवहार

मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी त्ंदरंद से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Piyush तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Piyush के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Piyush के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Piyush के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।